अत्यवस्था जिले की 69 योजनाएं बंद, ग्रामीणों को नदी-नाले और झिरिया का सहारा, हजारों ग्रामीणों की परेशानी बढ़ी

सूखते जल स्रोतों के बीच दम तोड़ रही नल जल योजना

अनूपपुर, नवभारत 7 मई। भीषण गर्मी के बीच जिले में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। जल स्रोतों के सूखने और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित नल जल योजनाओं के बंद होने से हजारों ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। जिलेभर में 69 नल जल योजनाएं बंद पड़ी हैं, जिसके कारण लोगों को पानी के लिए हैंडपंप, कुएं, तालाब, नदी-नालों और झिरिया पर निर्भर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई नल जल योजनाएं कुछ समय संचालन के बाद बंद हो गईं, लेकिन इनके रखरखाव और नियमित संचालन को लेकर जिम्मेदार विभाग और पंचायतें गंभीर नजर नहीं आ रही हैं। कई गांवों में पाइपलाइन बिछाने के बाद आज भी घरों तक पानी नहीं पहुंच सका है।

जिले में नल जल योजनाओं की स्थिति

जानकारी के अनुसार जिले में कुल 275 नल जल योजनाएं दर्ज हैं। इनमें अनूपपुर विकासखंड में 71, कोतमा में 48, जैतहरी में 97 और पुष्पराजगढ़ में 59 योजनाएं शामिल हैं। वर्तमान में इनमें से केवल 206 योजनाएं ही चालू हालत में हैं, जबकि 69 योजनाएं पूरी तरह बंद पड़ी हुई हैं। बंद योजनाओं में अनूपपुर विकासखंड की 14, कोतमा की 11, जैतहरी की 27 और पुष्पराजगढ़ की 17 योजनाएं शामिल हैं।

अलग-अलग कारणों से बंद पड़ी योजनाएं

विभागीय जानकारी के अनुसार 4 योजनाएं जल स्रोत फेल होने के कारण बंद हैं। वहीं 24 योजनाएं मोटर पंप और स्टार्टर खराब होने से प्रभावित हैं। 6 योजनाएं ट्रांसफार्मर खराबी और थ्री फेस बिजली कनेक्शन नहीं मिलने के कारण ठप हैं। सबसे अधिक 34 योजनाएं पंचायतों द्वारा संचालन नहीं किए जाने के कारण बंद पड़ी हैं।

पंचायतों की लापरवाही बनी बड़ी वजह

जैतहरी विकासखंड में पंचायत संचालन नहीं होने से 15 योजनाएं बंद हैं। पुष्पराजगढ़ में 8, कोतमा में 7 और अनूपपुर में 4 योजनाएं पंचायत स्तर पर बंद पड़ी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर मरम्मत और निगरानी नहीं होने से योजनाएं शोपीस बनकर रह गई हैं।

पुष्पराजगढ़ में शोपीस बनी योजनाएं

पुष्पराजगढ़ विकासखंड के करौंदी, बरबसपुर, मझगवां, खजूरवार, मोहंदी और खाटी ग्राम पंचायतों में लाखों रुपये खर्च कर नल जल योजनाएं शुरू की गई थीं, लेकिन कुछ समय बाद ही योजनाएं बंद हो गईं। इससे ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

जैतहरी क्षेत्र में महीनों से ठप योजनाएं

जैतहरी विकासखंड के मुंडा आमाडाड़, उमरिया भेलमा, पपरोड़ी और छाता पटपर खूंटा टोला में नल जल योजनाएं कई महीनों से बंद हैं। कहीं जल स्रोत सूख गए हैं तो कहीं मोटर पंप खराब पड़े हैं।

कई गांवों में पंचायतों द्वारा संचालन नहीं किए जाने से स्थिति और खराब हो गई है।

बिहार क्रमांक-1 पंचायत में भी समस्या बरकरार

अनूपपुर जनपद की ग्राम पंचायत बिहार क्रमांक-1 में भी नल जल योजना शुरू नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन आज तक घरों तक पानी नहीं पहुंचा। वहीं बिजली विभाग द्वारा लगातार बिल भेजे जा रहे हैं। ग्राम पंचायत की सरपंच अमृतिया परम सिंह ने बताया कि पंचायत को मनमाना बिजली बिल भेजा गया है, जबकि योजना का संचालन अब तक शुरू नहीं हो पाया है।

जिम्मेदारों पर उठ रहे सवाल

भीषण गर्मी के दौर में जब ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की सबसे ज्यादा जरूरत है, तब नल जल योजनाओं का बंद होना प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते योजनाओं का रखरखाव और संचालन सुनिश्चित किया जाता, तो आज उन्हें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता। अब ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द बंद पड़ी योजनाओं को चालू कराने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

बालिका सशक्तिकरण का दिया संदेश

ग्राम पंचायत बदरा में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव आयोजित

अनूपपुर, नवभारत । जिले की ग्राम पंचायत बदरा में मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत बालिका सशक्तिकरण एवं समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भव्य लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में योजना की उन बालिका हितग्राहियों का सम्मान किया गया, जिन्होंने शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं। कार्यक्रम के दौरान पात्र बालिकाओं को योजना अंतर्गत प्रमाण पत्र वितरित किए गए। उत्सव में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा लाड़ली बालिकाओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। बालिकाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि योजना से उन्हें शिक्षा, आत्मनिर्भरता और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर ग्राम पंचायत बदरा के सरपंच शिवभान सिंह, जनपद सदस्य चन्द्रवती भरती, आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक श्याम कुशवाह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता मिश्रा, दिशा बैग, राधा बैग, सुनीता अवस्थी सहित बदरा, सकोला एवं पकरिहा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अटल चौपाटी में लगाया पेयजल वॉटर कूलर

जनसेवा और धर्मभावना की मिसाल बना जनता परिवार

कोतमा नवभारत 7 मई। नगर में समाजसेवा और धार्मिक कार्यों के लिए अपनी अलग पहचान रखने वाले जनता परिवार द्वारा वर्ष 2021 में आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अटल चौपाटी में शीतल पेयजल वॉटर कूलर प्रदान किया गया था।

गर्मी के मौसम में राहगीरों, यात्रियों एवं आम नागरिकों को ठंडा और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने की भावना से लगाया गया। यह वॉटर कूलर आज भी लोगों के लिए राहत का माध्यम बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, विंध्य एवं छत्तीसगढ़ के प्रथम आचार्य कोतमा नगर गौरव आचार्य श्री 108 चन्द्रसागर महाराज (पिता) की प्रेरणा से नरेंद्र कुमार एवं देवेंद्र कुमार जैन द्वारा अपनी माता चम्पा बाई एवं चन्द्रा बाई की स्मृति में यह शीतल पेयजल सुविधा नगर पालिका परिषद कोतमा को समर्पित की गई थी।

मरम्मत कार्य भी परिवार द्वारा कराया जाता है

नगरवासियों का कहना है कि जनता परिवार हमेशा से धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेता रहा है। यही कारण है कि कोतमा नगर में जनता परिवार को एक धार्मिक और समाजसेवी परिवार के रूप में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। इस पेयजल वाटर कूलर की नियमित देखरेख एवं आवश्यक मरम्मत का कार्य भी प्रवीण कुमार जैन द्वारा लगातार कराया जाता है, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 2 वाहन जब्त

अनूपपुर, नवभारत। कलेक्टर के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग अनूपपुर द्वारा तहसील पुष्पराजगढ़ एवं जैतहरी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए खनिज रेत का अवैध परिवहन करते दो वाहनों को जब्त किया गया। जानकारी के अनुसार तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम अमगवां तथा तहसील जैतहरी के ग्राम खोडरी में निरीक्षण के दौरान मेटाडोर वाहन क्रमांक एमपी 65 जीए 2717 एवं मेटाडोर वाहन क्रमांक एमपी 65 जेडबी 4883 में अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जाना पाया गया। खनिज विभाग की टीम ने दोनों वाहनों को जब्त कर वाहन स्वामियों के विरुद्ध नियमानुसार प्रकरण दर्ज करते हुए मामला कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

प्रशासन की सांकेतिक अर्थी रखकर किया प्रदर्शन

भालूमाड़ा-कोतमा मार्ग निर्माण को लेकर अनशन

अनूपपुर, नवभारत 7 मई। जिले के भालूमाड़ा-कोतमा मार्ग के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर गुरुवार को स्थानीय ग्रामीणों और शिवसेना कार्यकर्ताओं ने एटीएम भालूमाड़ा के पास धरना-प्रदर्शन करते हुए अनशन किया।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन और कॉलरी प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए सड़क पर सांकेतिक अर्थी रखकर विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों का कहना है कि भालूमाड़ा से कदमटोला होते हुए कोतमा तक जाने वाली सड़क लंबे समय से जर्जर स्थिति में है। इस मार्ग से भालूमाड़ा, दरसागर, पयारी, भाद और बरबसपुर समेत कई गांवों के लगभग 30 से 40 हजार लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। खराब सड़क के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और स्कूली बच्चों के आने-जाने में दिक्कतें बढ़ गई हैं।

कॉलरी प्रबंधन पर उपेक्षा का आरोप

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन और कॉलरी प्रबंधन पर उपेक्षा का आरोप लगाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतमा तहसीलदार दशरथ सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की। तहसीलदार ने आश्वासन दिया कि कॉलरी प्रबंधन तीन दिनों के भीतर सड़क सुधार कार्य शुरू करेगा, जबकि नगरपालिका पसान द्वारा पुलिया निर्माण कराया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन और ठोस कार्रवाई के भरोसे के बाद ग्रामीणों और शिवसेना कार्यकर्ताओं ने अपना अनशन समाप्त कर आंदोलन वापस ले लिया।

एक नजर में

जंगली हाथियों से बचाव हेतु चलाया जनजागरूकता अभियान

अनूपपुर, नवभारत। जनपद जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत टकहुली एवं मौहरी में जंगली हाथियों से बचाव एवं मानव-हाथी संघर्ष की रोकथाम को लेकर विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में ग्रामीणों को जंगली हाथियों की गतिविधियों, सतर्कता उपायों तथा बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में जनपद जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के.के. रैकवार, पेसा के जिला समन्वयक एवं ब्लॉक समन्वयक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्राम सभा के दौरान ग्राम वन सुरक्षा एवं प्रबंधन समिति का गठन भी किया गया। समिति के सदस्यों को उनके दायित्वों एवं कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर स्थानीय सरपंच, पंच एवं ग्रामीणों को हाथी-मानव द्वंद्व को रोकने के लिए आवश्यक सतर्कता, सुरक्षा उपाय तथा आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि हाथियों की मौजूदगी की सूचना तत्काल प्रशासन एवं वन विभाग को दें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या जोखिमपूर्ण गतिविधि से बचें। ग्राम सभा के माध्यम से लोगों को सामूहिक सहभागिता एवं जागरूकता के जरिए मानव एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया।

अमलाई, कदमटोला व पायरी में शराब पैकारी का जाल

गांवों तक पहुंचा जमुना ठेका का नेटवर्क

जमुना कोतमा नवभारत 7 मई। जिले के अमलाई क्षेत्र अंतर्गत कदमटोला एवं ग्राम पंचायत पायरी क्रमांक 1 इन दिनों अवैध शराब पैकारी को लेकर चर्चा का केंद्र बने हुए हैं।

क्षेत्र के ग्रामीणों में लगातार यह आरोप उठ रहा है कि जमुना स्थित शराब ठेके से जुड़े लोगों द्वारा गांव-गांव में संगठित तरीके से शराब की पैकरी करवाई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पूरा कारोबार लंबे समय से संचालित हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग और अधिकारियों की चुप्पी के कारण शराब का नेटवर्क लगातार गांवों तक फैलता जा रहा है।

बाहरी लोगों को सौंपी जिम्मेदारी

ग्रामीणों के अनुसार जमुना ठेका से जुड़े पवन सिंह एवं राधधीर सिंह द्वारा विद्या नामक व्यक्ति सहित कई बाहरी लोगों को गांवों में शराब पहुंचाने और बेचने की जिम्मेदारी दी गई है। आरोप है कि इन लोगों द्वारा अमलाई, कदमटोला, पायरी क्रमांक 1 तथा आसपास के क्षेत्रों में खुलेआम शराब की पैकारी की जा रही है। शाम होते ही अलग-अलग स्थानों पर शराब उपलब्ध होने लगती है और देर रात तक इसका कारोबार चलता रहता है।

गांवों में आसानी से मिल रही शराब

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले शराब लेने के लिए लोगों को ठेके तक जाना पड़ता था, लेकिन अब गांवों में ही आसानी से शराब उपलब्ध कराई जा रही है। इससे युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। कई परिवारों में घरेलू विवाद बढ़ने लगे हैं और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि शराब पैकरी का यह कारोबार केवल चोरी-छिपे नहीं बल्कि खुलेआम संचालित हो रहा है।

इंटीग्रेटेड फार्मिंग से बदली किसान की तकदीर

अनूपपुर, नवभारत 7 मई। हर्षल पंचोली ने बुधवार को जिले के भ्रमण के दौरान जनपद अनूपपुर की ग्राम पंचायत भाद पहुंचकर प्रगतिशील किसान प्रेमलाल केवट द्वारा किए जा रहे इंटीग्रेटेड फार्मिंग आधारित कृषि कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्ट्रॉबेरी, बरबटी, खरबूजा सहित विभिन्न फसलों की खेती एवं सिंचाई व्यवस्था का अवलोकन कर किसान से विस्तारपूर्वक चर्चा की। किसान प्रेमलाल केवट ने बताया कि वे उद्यानिकी विभाग से प्राप्त ड्रिप मशीन के माध्यम से ड्रिप सिंचाई अपनाकर स्ट्रॉबेरी, बरबटी एवं अन्य फसलों की खेती कर रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान सीजन में स्ट्रॉबेरी उत्पादन से लगभग 70 से 80 हजार रुपये तथा बरबटी की खेती से करीब 20 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने किसान की नवाचार आधारित खेती और प्रगतिशील सोच की सराहना करते हुए कहा कि इंटीग्रेटेड फार्मिंग आधुनिक समय में किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रही है।

जागरूकता कार्यक्रम समाज के लिए उपयोगी : चपरा

अनूपपुर, नवभारत 7 मई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर द्वारा संस्कार विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का मुख्य विषय घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 एवं महिलाओं के अधिकार रहा। कार्यक्रम में सृष्टि साहू (व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड अनूपपुर) एवं रावेन्द्र कुमार सोनी (सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर) ने छात्र-छात्राओं को महिलाओं के अधिकारों, घरेलू हिंसा से संरक्षण तथा विधिक सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक रहने और अपने अधिकारों को समझने के लिए प्रेरित किया।

इनका रहा विशेष सहयोग

इस अवसर पर महाविद्यालय के संचालक नवोद चपरा एवं प्राचार्य डॉ. आनन्द कुमार द्विवेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को समाज एवं विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया तथा सभी को विधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बृजेश पटेल जिला विधिक सहायता अधिकारी एवं आयुष सोनी लीगल एड डिफेंस काउंसिल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। शिविर में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित

अनूपपुर, नवभारत। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में सेवा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में 3 मई को वृद्धाश्रम, 4 मई को आंगनबाड़ी केन्द्र पटौराटोला तथा 6 मई को जिला जेल अनूपपुर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं नशामुक्ति जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। वृद्धाश्रम में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के दौरान सभी वृद्धजनों का एनसीडी परीक्षण किया गया। साथ ही प्रत्येक वृद्धजन से व्यक्तिगत संवाद कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली गई। इसी प्रकार आंगनबाड़ी केन्द्र पटौराटोला में आयोजित शिविर में 3 माह से 8 वर्ष तक के बच्चों एवं महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान आवश्यक परामर्श एवं प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान की गईं।

नशावृत्ति नशे के आदी लोग इसे अलग-अलग तरीकों से करते हैं इस्तेमाल, परिवारों के साथ समाज का भविष्य भी खतरे में

स्मैक के नशे की गिरफ्त में क्षेत्र की युवा पीढ़ी, परिजन चिंतित

कोतमा नवभारत 7 मई। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों स्मैक जैसे खतरनाक नशे की बढ़ती गतिविधियों को लेकर चर्चाएं तेज होती जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि धीरे-धीरे युवा पीढ़ी इस जहर की गिरफ्त में आती जा रही है, जिससे परिवारों के साथ-साथ समाज का भविष्य भी खतरे में पड़ता दिखाई दे रहा है। जानकारों के अनुसार स्मैक का नशा अत्यंत घातक और तेजी से लत लगाने वाला माना जाता है, जो व्यक्ति के शरीर, मानसिक स्थिति और सामाजिक जीवन को पूरी तरह बर्बाद कर सकता है।

कैसे किया जाता है स्मैक का इस्तेमाल

स्मैक एक सफेद या हल्के भूरे रंग का पाउडरनुमा नशीला पदार्थ होता है। नशे के आदी लोग इसे अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल करते हैं। कई लोग इसे फॉयल पेपर पर गर्म कर धुएं के रूप में सूंघते हैं, कुछ लोग इसे सिगरेट या अन्य माध्यमों में मिलाकर सेवन करते हैं। लगातार सेवन करने से शरीर इसकी आदत पकड़ लेता है और व्यक्ति धीरे-धीरे इसकी गिरफ्त में पूरी तरह फंस जाता है।

नशे के बाद दिखने वाले सामान्य लक्षण

विशेषज्ञों के अनुसार स्मैक का सेवन करने वाले व्यक्ति में कई प्रकार के लक्षण दिखाई देते हैं, जिनमें—आंखों में सुस्ती और लालपन, बार-बार नींद आना या झपकी लेना ,शरीर में कमजोरी और थकान, व्यवहार में चिड़चिड़ापन ,परिवार और समाज से दूरी बनाना, पढ़ाई और कामकाज में रुचि कम होना अचानक पैसे की जरूरत बढ़ना, भूख कम लगना और शरीर कमजोर होना जैसे संकेत शामिल हो सकते हैं।

नशा नहीं मिलने पर क्या होता है

जो व्यक्ति स्मैक का आदी हो जाता है, उसे नशा न मिलने पर बेचैनी, घबराहट, शरीर में दर्द, पसीना आना, हाथ-पैर कांपना, गुस्सा, नींद न आना और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं होने लगती हैं। कई मामलों में नशे के लिए व्यक्ति गलत रास्तों की ओर भी बढ़ सकता है, जिससे परिवार और समाज दोनों प्रभावित होते हैं।

समाज और परिवार पर गंभीर असर

स्मैक का नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है। नशे की लत के कारण कई युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। चोरी, अपराध, घरेलू विवाद और आर्थिक बर्बादी जैसी समस्याएं भी ऐसे नशों के साथ जुड़ी देखी जाती हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

जागरूकता और कार्रवाई की जरूरत

स्थानीय लोगों ने प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों से क्षेत्र में बढ़ रहे नशीले पदार्थों के कारोबार पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही अभिभावकों से भी अपील की जा रही है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत जानकारी दें। विशेषज्ञों का मानना है कि जागरूकता, परिवार का सहयोग और समय पर उपचार से नशे की लत से बाहर निकला जा सकता है।